सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-under-standing-the-feel-good-hor-mone/

SABGURU NEWS

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 01 | अंक 5 | अजमेर, शुक्रवार 25 अगस्त 2023 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ 4

सम्पादकीय

इस बार उखड़ेंगे खूंटे, खेल होगा दिलचस्प

विजय सिंह

अजमेर शहर में सत्ताधारी कांग्रेस जितनी कमजोर होगी उतनी ही राजयोग भोग रहे यहां के वर्तमान भाजपा विधायकों की परेशानी बढ़ेगी। वजह यह है कि अजमेर उत्तर और दक्षिण की सीट को अपनी बपौती मान बैठे भाई साहब और बहनजी की जगह भाजपा चाह कर भी किसी और को मौका नहीं दे सकी। इस बार चुनावी बयार में भाजपा के पाले में नए चेहरों की ओर से पेश की जा रही दावेदारी से बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। भाजपा का गढ़ बन चुके अजमेर में इस बार पार्टी नए प्रत्याशियों को उतारने का जोखिम बेहिचक ले सकती है।

भाजपा के रणनीतिकारों की निगाह फिलहाल कांग्रेस में टिकट को लेकर मच रहे घमासान पर टिकी है। माना जा रहा है कि जो भी कांग्रेस का टिकट हासिल करेगा शेष बचे दावेदार उसकी कारसेवा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में कमल वाला आलाकमान नए प्रत्याशियों को चुनावी समर में जीत सुनिश्चित मानकर उतार सकता है। ऐसा होता है तो अरसे से खूंटा गाढ़कर अजमेर की राजनीति में अंगद के पैर की तरह जमे बहनजी और भाई साहब की सेवानिवृत्ति तय है।

खरी-खरी बात ये है कि जब अजमेर में अनिता भदेल और वासुदेव देवनानी का करीब दो दशक पहले राजनीतिक अवतरण हुआ था, तब स्थानीय नेताओं को दरकिनार करते हुए भाजपा ने बिना राजनीतिक अनुभव वाले इन नए चेहरों पर दांव खेला था। पहली जीत के बाद देखते ही देखते ये इतने बड़े वट वृक्ष में तब्दील हो गए कि इनकी छांव में कोई नया पौधा अंकुरित ही नहीं हो पाया। भाजपा कार्यकर्ताओं की फौज भी उत्तर व दक्षिण में बंट गई। कांग्रेस से लोहा लेने की बजाय अजमेर भाजपा में अपनों से दो-दो हाथ करने की परिपाटी ने जन्म ले लिया।

दो दशक से विधायक और लालबत्ती वाली गाड़ी तक का सुख भोग लेने के बावजूद संघनिष्ठ होने का दावा करने वाले देवनानी व भदेल अजमेर का मैदान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। देवनानी उम्रदराज होने के बाद भी एक बार फिर नौजवानों की तरह भाग-दौड़ में जुटे हैं। वही, बहनजी भी पक्का पट्टा लिखवाने की मशक्कत में जुटी हैं। यह अलग बात है कि निकाय चुनावों में भदेल के गृह वार्ड 45 में निर्दलीय की जीत और भाजपा का तीसरे नंबर पर रहना इस बात का प्रमाण है कि भदेल के जादू पर ग्रहण लग चुका है।

इस सबके बावजूद दोनों नए चेहरों को मौका देने की बजाय राजयोग का मोह नहीं छोड़ पा रहे। पार्टी से फिर टिकट हासिल कर लेने के आत्मविश्वास में चुनावों के ऐलान से पहले ही अगली पारी की तैयारी में जुट गए हैं। जनता के दुख दर्द, उनसे निकटता दिखाने की कवायद में दोनों कोई कसर नहीं छोड़ रहे। लेकिन टिकट कटने का अनजान सा भय भी पीछा नहीं छोड़ रहा है। कैडर बेस पार्टी का दावा करने वाली भाजपा के इन दोनों सेनापतियों को अपनों से ही चुनौतियां मिलने लगी हैं।

इधर, एक अनार और सौ बीमार वाली तर्ज पर कांग्रेस में टिकट के दावेदारों की लंबी होती जा रही फेहरिस्त ही उसके लिए मुसीबत का कारण बनती दिख रही है। निस्संदेह कांग्रेस का टिकट पाने वाले को भाजपा के साथ ही अपनी ही पार्टी के कारसेवकों से भी मुकाबला करना होगा। क्योंकि **खा नहीं सका तो ढोल दूंगा** की तर्ज पर ये कारसेवक नैया डुबाने में पूरी ताकत झोंक देंगे। इन हालात में जीत का वरण किसी चमत्कार से कम ना होगा।

बात प्रदेश की...

समूचे राजस्थान को लेकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी पसोपेश की स्थिति में है। इस बात की चर्चा जोर पकड़ रही है कि वसुंधरा राजे को अघोषित रूप से बाहर रखकर विधानसभा का चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा। राजनीति के जानकारों की मानें तो राजे के बगैर इस बार भाजपा चुनावी वैतरणी पार करने का जोखिम उठाने जा रही है। ऐसे में भाजपा के लिए विजयी रथ को मंजिल तक पहुंचाने के लिए नए चेहरों को आगे लाना जरूरी हो गया है।

प्रदेश में एक-एक सीट का विश्लेषण का दौर चल रहा है, जीत का गुणा भाग लगाया जा रहा है। मैडम के आज्ञाकारी रहे नेताओं को किनारे करना हालांकि आसान नहीं, बीच का रास्ता तलाशा जा रहा है। कांग्रेस में गहलोत और पायलट के बीच अंदरखाने चल रहा शीतयुद्ध भाजपा का मनोबल जरूर बढ़ाए हुए है, लेकिन इसके पटाक्षेप होते ही राजनीतिक समीकरण बिल्कुल बदल जाएंगे। वर्तमान परिदृश्य से तो स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों की जंग पहले अपनों से होगी, जो इसमें पार लग जाएगा वो चुनावी समर का असल विजेता होगा।

अंदरखाने की मानें तो सवाई माधोपुर के चिंतन शिविर में यह तय था राजस्थान में 4 स्थानों से परिवर्तन यात्रा निकाली जाएगी। इसका नेतृत्व किसको सौंपा जाए इसको लेकर खींचतान चल रही है। दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा शुरू होनी है। रोड मैप भी तैयार हो चुका है पर जंग के ऐलान के साथ सेना का सेनापति कौन हो, बात इस पर अटकी है। बीजेपी के पक्ष का माहौल बनाने के लिए खुद प्रधानमंत्री मोदी परिवर्तन यात्रा के समापन पर विशाल जनसभा में आ सकते हैं।

इस बीच वसुंधरा राजे के भविष्य के साथ मैडम-मैडम का राग अलापने वालों का फैसला भी हो जाएगा। लालबत्ती में सवार होने के बाद संघ से नजरे फेरकर सत्ता मद में डूब जाने वाले नेताओं का मुगालता भी दूर होने में अब देर नहीं है। अजमेर का ही उदाहरण लें तो 15 साल पहले स्थानीय नेताओं का दरकिनार करते हुए भदेल और देवनानी को संघ कोटे का मानकर राजनीतिक क्षेत्र में उतारा गया। इस बार संघ का दखल हुआ तो बड़ा उलट फेर हो सकता है, भले ही इसमें अपनों की बलि ही क्यों ना देनी पड़े। समीक्षा हो रही है लगातार जीत हासिल करने वाले विधायकों से जनता कितनी संतुष्ट है। अजमेर में संगठन निष्ठा की बजाय व्यक्ति निष्ठा में तब्दील हो चुकी कार्यकर्ताओं की फौज बेलगाम होती नजर आ रही है। भाजपा के वयोवृद्ध और जनसंघ के जमाने से जीवन खपाने वालों को भुला दिया गया, नई पी?ी तो उम्र के आखिरी पडाव पर पहुंच चुके वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं को पहचानती भी नहीं। कभी संघ के अनुषांगिक संगठन पुरजोर तरीके से ताकत झोंककर भाजपा की चुनावी नैया को पार लगाने में अहम भूमिका निभाते थे। अब वे भी अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग अलाप रहे हैं। जीतने के बाद नजर फेर लेने वाले नेताओं से हर आम और खास भी आहत हैं।

अयोध्या में बन रहा राम मंदिर अजमेर में बरसों से चल रहा लिखित जप

अजमेर। धन्य है अयोध्या की धरा जहां भगवान राम जन्मे, इसी तरह धन्य है अजमेर की पावन भूमि जो राम नाम की भक्ति से समूचे विश्व को अलोकित कर रही है। भवसागर से पार लगाने वाला राम नाम का लिखित जप कराने वाला दुनिया का एकमात्र श्रीरामनाम धन संग्रह बैंक हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की नगरी में राम भक्तों के लिए आस्था का केन्द्र बन चुका है। धार्मिक मान्यता है कि सर्वप्रथम श्री गणेश जी महाराज ने राम नाम लिखकर उसकी परिक्रमा की थी और वे प्रथम पूजनीय हो गए। रामनाम महामंत्रों की परिक्रमा का पुणयलाभ अकथनीय है, जिसका श्रीमुख से वर्णन नहीं किया जा सकता। यह चमत्कारिक परिक्रमा मनोकामना पूर्ण करने वाली है। ब्रहमांड में स्थित समस्त तीर्थों की परिक्रमा का पुण्य प्रदान करने वाली है। भगवान प्राप्ति का सबसे सुगम उपाय रामनाम जप ही है। खासकर कलयुग में राम नाम समस्त साधनाओं में सर्वोपरि है।

अजमेर में 7 अप्रेल 1987 को हुई रामनाम बैंक की स्थापना

श्रीमानवसेवा मंगल न्यास के अधीन संचालित श्रीराम नाम धन संग्रह बैंक में अब तक करीब 48056 हजार सदस्य पंजीकरण करा चुके हैं तथा इसकी डेढ सौ शाखाएं देशभर में फैली हैं। यह राम के प्रति आस्था का ही प्रतीक है कि 94 अरब बार राम नाम लिखकर संग्रहित किया जा चुका है। राम नाम बैंक की स्थापना 7 अप्रेल 1987 को की गई थी। यह बैंक रामनाम लिखने के लिए निशुल्क पुस्तिकाएं प्रदान करता है। पुस्तिकाएं भर जाने पर संकललित कर उन्हें लिखने वाले के अकाउंट में अंकित कर सुरक्षित रखा जाता है। संस्था इसका बाकायदा कम्प्यूटराइज्ड रिकार्ड रखती है।

यह अजमेर का सौभाग्य है कि जो राम नाम बैंक संपूर्ण भारत में राम नाम धन उपलब्ध कराकर देशवासियों को धनी बनाता है। वर्तमान में संकलित 94 अरब हस्त लिखित श्रीरामनाम महामंत्रों का संग्रह अजमेर ही नहीं अपितु संपूर्ण राष्ट में सकारात्मक उर्जा का संचार कर रहा है। राम का नाम सभी दुखों का निवारण करने एवं सुख शांति देने वाला है। राम नाम में निहित शक्ति का उपयोग लंका पर विजय प्राप्त करने के लिए हनुमान ने किया। राम नाम की अमोघ शक्ति को राष्ट्र ने समय समय पर देखा है। राम शब्द में निहित शक्ति समायोजित है।

जयपुर के गोबिंददेवजी मंदिर में श्रीरामनाम महामंत्रों की परिक्रमा करते श्रद्धालुगण। फोटो-सबगुरु न्यूज

देशभर में अब तक 50 से अधिक जगह रामनाम परिक्रमा का आयोजन

जयपुर के गोबिंददेव जी मंदिर परिसर समेत देशभर के विभिन्न स्थानों पर श्रीराम नाम धनसंग्रह बैंक की ओर से करीब 50 से अधिक जगहों पर श्रीराम नाम हस्त लिखित महामंत्रों की परिक्रमा का आयोजन हो चुका है। अरबों महामंत्रों का सुरक्षित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहन कर पाना सहज नहीं हो पाता इस कारण महामंत्रों का स्तरंभ बनाने की पूर्व में बनाई गई योजना के अनुरूप सबसे पहले तीर्थराज पुष्कर के समीप धार्मिक स्थल सुधा बाय में निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसके प्रथम चरण में रामभक्तों का सहयोग मिल रहा है। इसी तर्ज पर देश के अन्य तीर्थ स्थलों पर रामनाम महामंत्रों के स्तंभ बनाने की योजना प्रस्तावित है।

पुष्कर के समीपवर्ती सुधाबाय में निर्माणाधीन रामनाम महातीर्थ।

अनवरत परिक्रमा के लिए बन रहा रामनाम महातीर्थ

राम नाम महातीर्थ निर्माण कमेटी के अनुसार चिर प्रतीक्षित विश्व दुर्लभ विधिवत संकलित 108 अरब हस्तलिखित राम नाम जन मानस के दर्शनार्थ एवं 24 घंटे अनवरत परिक्रमा के लिए श्रीपुष्कर राज में भवन निर्माण के प्रथम चरण का कार्य संस्था की निजी भूमि में दिनांक 22 अप्रेल 2023 चल रहा है। यह काम करीब एक साल में पूरा हो जाएगा। इसके बाद संस्था का प्रधान कार्यालय विधिवत रूप से श्री पुष्कर राज में हस्तांतरित/स्थापित कर दिया जाएगा। भक्त इस रामनाम महातीर्थ में अपनी सक्षमता अनुरूप सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए 9414002931 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

पत्थर एक गाड़ी की कीमत 1100 रुपए
सीमेन्ट एक बेग कीमत 351 रुपए
बजरी एक ट्रक कीमत 9501 रुपए
ईट 1100 का लागत मूल्य 5500 रुपए
मजदूरी 220 रुपए प्रति वर्ग फुट

उक्त दरें निर्माण कमेटी द्वारा प्रचलित बाजार दर से कम कराकर रियायती दर पर एक वर्ष तक निश्चित की गई है। निर्माण सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो इसका निरन्तर ध्यान रखा जा रहा है।

रामराम लेखन के लिए छपवा सकते हैं रिक्त पुस्तिकाएं

रामराम लेखन के लिए जन्मदिन, शादी की सालगिरह व पुण्यआत्मा की स्मृति एवं शान्ति के लिए फोटो सहित पुस्तकें छपाकर पुण्यलाभ कमाया जा सकता है। भक्तजन तीर्थ नगरी पुष्कर के समीप सुधाबाय में रामनाम स्तंभ के लिए हो रहे भवन निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। पुस्तकें छपवाने रमेश पारीक, सी 30 जमना नगर सोडाला जयपुर दूरभाष 9828220419 तथा श्रीराम नाम धन संग्रह बैंक अजमेर दूरभाष 9414002930, 9414002931 व 8955074141 पर संपर्क किया जा सकता है।

रामनाम लिखो और लिखाओ, लख चौरासी से मुक्ति पाओ

संतों और शास्त्रों के अनुसार मनुष्य जीवन 84 लाख योनीयों के बाद प्राप्त होता है। यह मानव जीवन ही जीव को भवसागर से पार लगाने और आत्मा के परमात्मा से मिलन का मार्ग है। 84 लाख बार राम नाम लेखन का संकल्प कराया जाता है। इनमें प्रमुख रूप से रेल्वे से सेवानिवृत अजमेर के आनंद नगर निवासी मोहन प्रकाश माथुर 7 करोड से अधिक बार राम नाम लेखन कर चुके हैं। भगवान राम की कृपा से ही उनका यह कार्य संपन्न हो सका है।

QUICK news

गुजराती स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

अजमेर। गुजराती उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य अतिथि श्री गुजराती महामंडल के अध्यक्ष मुकेश भाई पटेल ने ध्वजारोहण किया। प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा ने विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष केएल शर्मा का तथा विद्यालय प्रबंध समिति सचव नितीन भाई मेहता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

डिफेंडर्स ऑफ फेथ संस्था ने फहराया तिरंगा

अजमेर। डिफेंडर्स ऑफ फेथ संस्था ने हर वर्ष की तरह इस भी ध्वजारोहण कार्यक्रम शहर की विभिन्न बस्तियों में आयोजित किया। अजमेर शहर कार्य प्रभारी विकास उबाना ने बताया कि चार बस्तियों जीसीए कॉलेज के बाहर झाड़ू वालों की बस्ती, उसरी गेट स्थित लोहार बस्ती, परबतपुरा में ढोल वालों की बस्ती, एक अन्य लोहार बस्ती में झंडारोहण के बाद बच्चों को मिठाई और चॉकलेट बांटी गई। संस्था सचिव सौम्या ने बताया कि संस्था 5 शहरों में संस्था सक्रिय रूप से काम कर रही है। सभी जगह स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वैशाली नगर जी ब्लॉक में फहराया तिरंगा

अजमेर। माकडवाली रोड स्थित जी ब्लॉक की श्री गणपति विकास समिति की ओर से मंगलवार को सार्वजनिक उद्यान में स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समिति सदस्यों और कॉलोनीवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर वार्ड 74 की पार्षद रूबी जैन ने ध्वजारोहण किया। समिति अध्यक्ष रमेश चेलानी ने देश की आजादी हेतु संघर्ष करने वाले सपूतों को याद किया। सचिव अजीत कुमार भटनागर ने कहा कि विभाजनकारी ताकतों को एकजुटता से परास्त करने का संकल्प हर भारतवासी को लेना होगा।

पंचशील नगर वार्ड 76 में कई जगह ध्वजारोहण

अजमेर। पंचशील नगर वार्ड 76 में राजकीय बालिका विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चाणक्य स्मारक एवं सेक्टर-2 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी समेत विभिन्न स्थानों पर 77वां स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर पार्षद अतीश माथुर, शक्ति केंद्र संयोजक राजेंद्र किशोर जोशी, आईटी संयोजक वीपी सिंह, बूथ अध्यक्ष रामवीर सिंह, सर्वेश्वर विजयवर्गीय, लालटून साहू आदि मौजूद रहे।

देशभक्ति की बयार : उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को नवाजा

अजमेर में सम्भागीय आयुक्त मीणा ने किया ध्वजारोहण, मार्च पास्ट की ली सलामी

77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

अजमेर के पुलिस लाइन मैदान में ध्वजारोहण कर सलामी लेते सम्भागीय आयुक्त सीआर मीणा।

अजमेर। 77वें स्वाधीनता दिवस समारोह में अजमेर के पुलिस लाइन मैदान में सम्भागीय आयुक्त सीआर मीणा ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने मार्चपास्ट की सलामी लेने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 78 व्यक्तियों, संस्थाओं व अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित किया। रा'यपाल के संदेश का पठन अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन राजेन्द्र सिंह ने किया।

सम्भागीय आयुक्त मीणा ने इस मौके पर कहा कि स्वाधीनता प्राप्त हुए एक पूरा अमृतकाल हो गया है। इस यात्रा को 25-25 वर्ष के 3 काल खण्ड में देखा जा सकता है। प्रथम 25 वर्षो के दौरान भारतीय संविधान की जन-मन में स्थापना की गई। इस समय में प्रजातांत्रिक संस्थाओं ने अपनी स्थापना के साथ ही लोकतन्त्र की जमीन तैयार की। रोजगार पर विशेष ध्यान दिया गया। खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा गया। इससे भारत ने अपना मुकाम हासिल किया। अमृत महोत्सव के पश्चात नया भारत शताब्दी वर्ष मनाने की और अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि सरकारों द्वारा निर्धनता को दूर करने के लिए प्रयास किया। इस कारण देश में गरीब व्यक्तियों की संख्या तेजी से कम हुई। आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए काम किए गए। आधुनिक तकनीक को अपनाकर विकास के नए आयाम स्थापित किए गए। देश के विकास को गति देने के लिए नए उद्यम स्थापित हुए। आज भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि नई पी?ी को अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों का शैक्षिक विकास होने से देश का विकास होगा। पढ़ाई में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने से अध्ययन सुगम हो रहा है। जीवन में माता पिता के लिए गर्व करने वाले कार्य कर परिवार तथा देश का नाम रोशन करें। समाज में प्रेम एवं सद्भावना का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक जाना चाहिए।

पुलिस एवं होमगार्ड की प्लाटून ने की परेड

समारोह में परेड कमांडर उप अधीक्षक पुलिस कार्तिकेय लाटा के नेतृत्व में परेड की। सीआरपीएफ पुरूष प्लाटून के दल का नेतृत्व इन्स्पेक्टर नरेन्द्र सिंह ने किया। राजस्थान पुलिस पुरूष प्लाटून का नेतृत्व उप निरीक्षक योगेन्द्र उबाना ने किया। इसी प्रकार उपनिरीक्षक पारूल यादव ने राजस्थान पुलिस महिला प्लाटून, उप निरीक्षक होमगार्ड धर्मीचन्द ने होमगार्ड पुरूष प्लाटून का नेतृत्व, होमगार्ड महिला प्लाटून का नेतृत्व उप निरीक्षक होमगार्ड विकास ओजवानी, हरिसुन्दर बालिका स्कूल की प्लाटून का नेतृत्व खुशबु तथा रोवर्स रेन्जर्स प्लाटून का नेतृत्व मयंक सिंह नेगी ने किया। राजस्थान पुलिस के बैंड ने अशोक थापा के निर्देशन में देशभक्ति पूर्ण धुनें प्रस्तुत की। हरिसुन्दर बालिका स्कूल बैण्ड का नेतृत्व रीना, गुरूकुल स्कूल बैण्ड का नेतृत्व हर्ष सोनी एचकेएच स्कूल बैण्ड का नेतृत्व विश्वेन्द्र कुमावत, सोफिया स्कूल के बैण्ड का नेतृत्व तमन्या एवं सेन्ट स्टीफन बैण्ड का नेतृत्व हीर अनुरागी ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य ने मन मोहा

राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की डॉ. शारदा देवड़ा के निर्देशन में सामूहिक नृत्य का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें देशभक्ति गीतों के समुच्च पर 350 बालिकाओं ने शानदार प्रस्तुति दी। इसमें सावित्री राजकीय बालिका विद्यालय, केन्द्रीय बालिका विद्यालय, ईस्ट पॉइन्ट, महाराजा अग्रसेन विद्यालय, ख्वाजा मॉडल स्कूल, हरीसुन्दर बालिका विद्यालय एवं एचकेएच की बालिकाओं ने भाग लिया। मीना वर्मा एवं दीनेश्वर के समूह ने राष्ट्रगान गाया। स्वीप गतिविधि का गीत हम भारत के मतदाता हैं नृत्य के साथ प्रस्तुत किया गया।

विद्यार्थियों ने किया सामूहिक व्यायाम का प्रदर्शन

समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने सामूहिक व्यायाम का प्रदर्शन किया। इसमें कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुति दी। मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 78 व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट इंदिरा रसोई संचालकों का भी सम्मान हुआ। संभाग स्तर पर इंदिरा रसोई सालासर एण्ड कम्पनी को प्रथम आने पर 15 हजार, जवाहर फाउण्डेशन गुलाबपुरा भीलवाड़ा एवं शिशु एवं मातृत्व सेवा संस्थान भीलवाड़ा को द्वितीय आने पर 11-11 हजार तथा एन्थ्रोपोसेन्ट्रिक विजनरी ऑर्गेनाईजेशन बासनी को तृतीय आने पर 5 हजार का नकद पुरस्कार दिया गया।

रक्षाबंधन 30 अगस्त को, रात 9.0 बजे बाद शुभ मुहूर्त

जयपुर। इस वर्ष श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर भद्रा का साया रहने के कारण रक्षाबंधन 30 और 31 अगस्त को मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति है। श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 30 अगस्त 2023 को सुबह 10 बजकर 58 मिनट होगी। जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 31 अगस्त को सुबह 07 बजकर 5 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षाबंधन का त्योहार हमेशा बिना भद्रा काल में मनाना शुभ होता है।

इस साल रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार 30 अगस्त को सुबह श्रावण पूर्णिमा तिथि के साथ यानी 10 बजकर 58 मिनट से भद्रा लग जाएगी। जो रात को 09 बजकर 01 मिनट तक रहेगी। इस साल भद्रा रक्षाबंधन के दिन पृथ्वी पर वास करेंगी जिस कारण से भद्रा में राखी बांधना शुभ नहीं रहेगा। ज्योतिषियों के अनुसार 30 अगस्त को रात 9.02 बजे से बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी।

Unsung Heroes : Rudra Dutt Mishra

Ajmer, Rajasthan. In 1928, RudraDutt Mishra found himself at his maternal grandfather's residence in Gwalior following the passing of his father. During this visit, he encountered the revolutionary figure Ramnarayan, who shared details about the Kakori case and the revolutionary group. It left a deep impression on his mind and ignited his passion for India's liberation. A year laterin Ajmer, he, along with his friends Ramchandra and Jagdish Chandra Vyas, established a revolutionary party.

Impressed by their fervour for freedom, Arjunlal Sethi introduced them to the Hindustan Socialist Republican Army (H.S.R.A.). In 1930 he was assigned by the H.S.R.A. to work in Delhi, compelling him to abandon his studies at Government College, Ajmer. His task involved transporting and delivering bombs, pistols and ammunition to designated locations. Ajmer was considered a safe place for revolutionaries and he provided essential support to them. As a consequence of his revolutionary avtivities, he was apprehended on 11 November 1930, and charged as part of the "Delhi Conspiracy Case." While this case was ongoing, another case emerged in the A.D.M. court, accusing Rudra of assaulting Deputy Superintendent of Police Sardar Bahadur Bhagsingh during a court proceeding. He was sentenced to two years imprisonment for this offence. However, due to certain reasons, the government later dropped the conspiracy charges against him, leading to his release on bail from Ajmer jail in 1933.Finally, after India gained independence from British rule, he received a Tamra Patra from Prime Minister Indira Gandhi on 15 August 1972.

Source: Dr. Chetna Upadhyay, Contributor for CCRT

!! Shri Adinathay Namah !!
Rajesh Jain
M. 9414666954
8112256296
Shri Adinath Printers
Flex, Banner, Eco Print, Offset, Multicolor
All Types Quality Printing available here
Email : jainaashi355@gmail.com
Saravgi Mohalla, Maliya Gawadi, Naya Bazar, Ajmer

Mob.: 9414534529
नोटरी पब्लिक
श्रीमती बबीता टांक
एडवोकेट
(भारत सरकार द्वारा नियुक्त)
राजस्थान उच्च न्यायालय
राजस्व मण्डल, अजमेर
6/12, बी-ब्लॉक, पंचशील कॉलोनी, अजमेर-305001 (राज.)

नाथूलाल 98298 68473
बसंत कुमार 96029 23483
गणपति स्टील हाऊस
स्टील रेलिंग, काँच की बालकॉनी, सिढ़ियों में काँच की रेलिंग
ग्रिल, वूडन पिलर में रेलिंग, किचन ट्रोली का कार्य किया जाता है।
स्टील पाईप के होलसेल विक्रेता
ऊँटड़ा रोड़ के सामने, महेश नगर के बाहर, अजमेर रोड़
मदनगंज-किशनगढ़ 305801 (जिला-अजमेर) राज.
E-mail : nathulalmalakar@gmail.com

मोदी का उनकी पार्टी में ही कम होता जा रहा सम्मान - गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनके रवैये से अब उनकी पार्टी में ही उनका सम्मान कम होता जा रहा है और उनकी पार्टी ही उनके खिलाफ होने से धीरे धीरे इनके विरुद्ध विद्रोह भी हो सकता है।

गहलोत ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी पार्टी में फूट पड़ गई और पार्टी की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि अब मोदी का उनकी पार्टी में आदर खत्म हो रहा है। यह चिंता होनी चाहिए मोदी को खुद के लिए कि आज जनता में तो उनका आदर कम हुआ ही है लेकिन उनकी पार्टी में भी उनका सम्मान कम होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उनकी बैठकों में यह सब नजर आ रहा है। भाजपा के लोगों से ही पूछ लीजिए कि उनकी पार्टी की बैठकों में किस तरह के हालात बन गए हैं। पहले क्या होता था और अब क्या हो रहा है। पहले और अब में मोदी को लेकर किस तरह के हालात बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं मोदी से कहना चाहूंगा कि आप ओबीसी वर्ग से है और कम से कम ओबीसी का तो मान रखो। आपकी जो अप्रोच है, उससे आपकी पार्टी ही आपके खिलाफ हो रही है और धीरे धीरे आपके विरुद्ध विद्रोह भी हो सकता है।उन्होंने कहा कि देश एक एवं अखंड रहे, इसके लिए देशवासियों को चाहिए कि वे चाहे किसी भी पार्टी या विचारधारा के हो, सबको देश प्रेम और भारत माता के लिए एकजुट रहना चाहिए। एक सवाल के जवाब में मुखयमंत्री ने कहा कि देश समझ रहा है

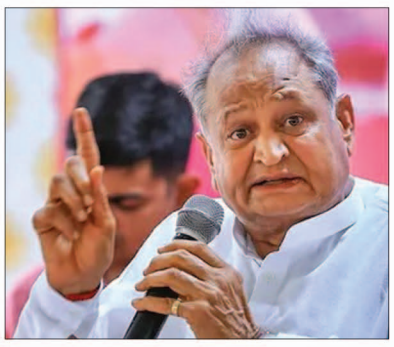

और अगर मोदी का मुस्लिम प्रेम जागृत हो गया है तो अच्छी बात है, हम चाहते हैं कि सब धर्मों एवं जातियों के प्रति उनका प्रेम जागृत हो। हम दुआए करते है कि मोदी, आरएसएस, अमित शाह का सभी धर्मों के प्रति प्रेम जागृत हो, मुस्लिम, इसाई, फारसी, जैन, सिख हर जातियों एवं दलितों के साथ। उन्होंने कहा कि लेकिन मेरा अनुभव कहता है ये लोग सत्तर साल में नहीं बोले और अब चुनाव आते ही बोलने लगे हैं। इन्होंने सत्तर साल में कभी सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी एवं भीमराव अंबेडकर का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि गुजरात में पटेल का स्मारक बनाया गया है, अच्छी बात है लेकिन इससे पहले सत्तर साल में इनका नाम क्यों नहीं लिया, क्योंकि पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया, वह टीस थी इसलिए इनका नाम नहीं लिया गया। इसी तरह पंडित जवाहर लाल नेहरु का कभी नाम नहीं लिया जो देश के लिए दस साल जेल रहे।

उन्होंने कहा कि अगर इतिहास एवं महापुरुषों के नाम को भुलाओगे तो आप महापुरुष कैसे बन पाओंगे। देश में यह इनकी अप्रोच बहुत गलत है। देश में लोकतंत्र कांगेस ने दिया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस में वंशवाद चल रहा है, कांग्रेस मुक्त भारत बना दो। हम कभी पूछते हैं क्या कि उनके परिवार में क्या चल रहा है। वोट तो गुप्त होते तभी भी क्यों इस परिवार को लोग चाहते हैं, उन्होंने कहा कि लोग इस परिवार को चाहते थे, चाहते हैं और रहेंगे और कांग्रेस कभी मुक्त नहीं होने वाली है। गहलोत ने मणिपुर का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हालात खराब हैं। पूरा प्रदेश जल रहा है और प्रधानमंत्री को कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि देश माफ नहीं करेगा जिस तरह से मणिपुर को लेकर संदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर संसद में केवल दो मिनट का भाषण दिया जबकि उन्हें देशवासियों को मणिपुर के हालात के बारे में विस्तार से बताया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस शासन में दंगे हुए वह भी बताते, मणिपुर में आग लगी हुई है और देशवासियो को प्रधानमंत्री से अपेक्षा थी कि वह वहां के हालात के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि मणिपुर तीन महीने से जल रहा, दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं, थाने में हथियार लूट लिए गए हैं उसका आने वाले वक्त में हालात क्या होंगे। यह देशवासियों को बताया जाना नहीं चाहिए।वहां के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि सौ घटनाएं और करीब एक हजार एफआईआर दर्ज हो चुकी है ऐसे हालात में वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाना चाहिए था लेकिन केन्द्र सरकार कोई कदम नहीं उठा पा रही है। देश को बताया जाना चाहिए कि वहां कोई कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ठीक ही कहा कि तमाशा नहीं होना चाहिए।

राजस्थान में इस बार नहीं होंगे छात्र संघ चुनाव, छात्र नेता बिफरे

जयपुर। राजस्थान में इस वर्ष छात्र संघ चुनाव नहीं कराए जाएंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न घटकों को लागू करना चुनौतीपूर्ण कार्य है, इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच जयपुर समेत प्रदेशभर में छात्र संगठनों में आक्रोश फैल गया। चुनाव की तैयारियों में जुटे छात्र नेताओं को इस आदेश से बड़ा धक्का लगा।

उधर, सरकार के फैसले को अमल में लाते हुए उच्च शिक्षा विभाग का कहना है कि एकेडमिक बैक आफ क्रेडिट में छात्रों का पंजीकरण, सेमेस्टर व्यवस्था लागू करने, इंस्टीट्यूशनल डवलपमेंट प्लान, नैक द्वारा प्रत्यापन एवं शिक्षा की गुणवत्ता आदि कार्य प्रगति पर है। विश्वविद्यालयों की विभिन्न परीक्षाओं के परिणामों में देरी, नए महाविद्यालयों के खोले जाने एवं प्रवेश प्रक्रिया में देरी के कारण न्यूनतम 180 दिन अध्यापन कार्य करवाना चुनौतीपूर्ण हैं। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार छात्रों की 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता है। ऐसे में राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की बैठक में कुलपतियों द्वारा बताया गया कि इस सत्र में छात्रसंघ के चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए। सभी कुलपतियों के व्यक्त किए गए मन्तव्यों को दृष्टिगत रखते हुए तथा व्यापक छात्रहितों में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में सत्र 2023-24 में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का निर्णय लया गया है। इसके बाद राज्य सरकार ने प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में सत्र 2023-24 में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का निर्णय लिया। प्रदेश में 2004 से 2009 तक छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2010 से छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर हरी झंडी दी। हालांकि कोरोना काल में वर्ष 2020 और 2021 में भी छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए। मीडिया के छात्र संघ चुनाव को लेकर सवाल करने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि जब छात्र संघ चुनाव बंद हो गए थे, तब मैं ही वह मुख्यमंत्री हूं, जिसने फिर से चुनाव शुरू करवाए थे। आज चुनाव से पहले ही छात्र इस तरह पैसे खर्च कर रहे हैं, जैसे एमएलए-एमपी के चुनाव लड़ रहे हो। आखिर कहां से पैसा आ रहा है और इतने पैसे क्यों खर्च किए जा रहे हैं जबकि यह सब लिंगदोह समिति की सिफारिशों के खिलाफ है।

अजमेर में कांग्रेस से टिकट चाहने वालों की फेहरिस्त लंबी, लात-घूंसे भी चले

अजमेर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले ही अजमेर में चुनावी हलचल हिलोरे मारने लगी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक राजेंद्र परमार 17 अगस्त को सर्किट हाउस में कांग्रेस नेताओं और टिकट हासिल करने की चाहत रखने वाले दावेदारों और उनके समर्थकों से घिरे रहे। अजमेर के विजयलक्ष्मी पार्क तथा सर्किट हाऊस में परमार ने अलग अलग अकेले में बात की। खासकर अजमेर दक्षिण की तुलना में अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र को लेकर पेश की गई दावेदारी की फेहरिस्त लंबी हो गई है। अजमेर उत्तर के प्रभारी पीसीसी सचिव मुकुल गोयल व अजमेर दक्षिण की प्रभारी रूबी खान ने उत्तर क्षेत्र से आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की। कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने भी उत्तर सीट से दावेदारी पेश कर जीत के गुणा भाग से परमार को अवगत कराया। बता दें कि बीते 40 साल से कांग्रेस जुडाव तथा माली वोट बैंक पर पकड के बूते चौहान ने चुनाव लडने की इच्छा जताई है। वे पूर्व में अजमेर विकास प्राधिकरण के चैयरमेन पद के लिए भी दावेदारी कर सुर्खियों में आए थे। अजमेर उत्तर

से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी रहे महेन्द्र सिंह रलावता ने 30 से भी अधिक समर्थकों के साथ पहुंचकर दमदार तरीके से दावेदारी पेश की। विगत चुनाव में कम अंतर से हारने के बाद भी रलावता ने क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ाव बनाए रखा। नसीम अख्तर इंसाफ ने एक बार पुष्कर से दावेदारी जताई है। डॉ श्रीगोपाल बाहेती, हाजी कय्यूम खान, विधायक राकेश पारीक, अजमेर दक्षिण से पूर्व प्रत्याशी रहे हेमंत भाटी, प्रताप यादव, छीतरमल टेपण आदि परमार से मिले।

इधर, आपस में भिड़े राठौड़ के समर्थक

23 अगस्त को जनकपुरी में दावेदारी पेश करने आए आरटीडीसी अध्यक्ष राठौड़ के समर्थक आपस में भिड़ गए। पार्षद नौरत गुर्जर के साथ आए निर्मल पारीक ने शिवकुमार बंसल को धक्का दिया तो बंसल के पुत्र कनिष्क बंसल और पारीक सहित उनके समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई और दोनों ही पक्षों ने गंज थाने में रिपोर्ट दी है। बंसल, गुर्जर, पारीक आदि राठौड़ समर्थक हैं लेकिन इस बार बंसल खुद के टिकट के लिए दावेदारी पेश कर बाहर आ रहे थे। तभी यह घटनाक्रम हो गया।

जयपुर एवं अजमेर संभाग के 785 वृद्धजन करेंगे तिरूपति की तीर्थ यात्रा

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2023

अजमेर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2023 के अन्तर्गत विशेष रेलगाडी जयपुर से तिरूपति के लिए 6 सितम्बर दोपहर 1.30 बजे से जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। जयपुर स्टेशन से जयपुर एवं अजमेर संभाग के 785 यात्री रेलगाड़ी में सवार होंगे। इन 785 यात्रियों को जयपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के लिए सूचित किया जा रहा है। जयपुर एवं अजमेर संभाग के यात्रियों को जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुबह 7 बजे से रिपोर्ट करना है। चयनित तीर्थ यात्रियों को व्यक्तिशः दूरभाष एवं संदेश के माध्यम से सूचित किया जा रहा है।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को मिला श्रेणी-1 का दर्जा

अजमेर। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा प्रतिष्ठित श्रेणी-1 विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ है। अजमेर जिले के बांदरसिंदरी स्थित राज्य के राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू राज) को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के प्रति असाधारण समर्पण की पुष्टि करते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रतिष्ठित श्रेणी 1 विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय को बेहतर प्रदर्शन करने वाले देश के विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए, यूजीसी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों का श्रेणीकरण) विनियम, 2018 को अधिसूचित किया है। उक्त विनियम के तहत, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर विचार किया गया और यूजीसी द्वारा श्रेणी- विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कहा कि हम यूजीसी द्वारा श्रेणी 1 विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने से मुझे बेहद खुशी है। यह मान्यता हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के अथक समर्पण का प्रमाण है जिन्होंने लगातार ज्ञान और शैक्षणिक उत्कृष्टता की सीमाओं को आगे ब?ाया है। यह अविश्वसनीय सम्मान विश्वविद्यालय के अपने मिशन यानी शिक्षा और नवाचार में उत्कृष्टता के माध्यम से सतत विकास के प्रति अटूट समर्पण का एक सच्चा प्रमाण है।

महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण का सुनहरा मौका

अजमेर। राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, माखुपुरा में एनसीवीटी योजनान्तर्गत इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक, इन्टीरियर डेकोरेशन डिजाईन, बेसिक कॉसमेटोलोजी(ब्यूटीशियन कोर्स), फैशन डिजाइन टेक्नोलोजी, स्विांईग टेक्नोलोजी (सिलाई कोर्स), कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट, आईसीटीएसएम व्यवसायों में केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश

29 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

प्रक्रिया के प्रथम एवं द्वितीय सीट आवंटन पश्चात रिक्त रहे स्थानों पर प्रवेश पोर्टल के माध्यम से सीधे ही संस्थान स्तर पर प्रवेश लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र 29 अगस्त तक आमंत्रित किए गए हैं। संस्थान के सहायक निदेशक शैलेन्द्र माथुर ने बताया कि सभी व्यवसायों में रिक्त स्थानों के लिए राजस्थान सरकार के एकीकृत पोर्टल के माध्यम से इस संस्थान में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाईन आवेदन फार्म भरकर आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रति सहित संस्थान में निर्धारित 29 अगस्त को शाम 5 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रवेश के लिए 14 वर्ष से अधिक आयु की कोई भी महिला अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। प्रवेश सम्बन्धी विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए वेबसाईट का अवलोकन कर नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

राजस्थान में 10 जगह लगेंगे पीएम सेल्फी पाइंट

जयपुर। राजस्थान में चार शहरों मे दस स्थानों पर प्रधानमंत्री सेल्फी प्वाइंट लगाए जाएंगे। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो जयपुर की ओर से जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर में विभिन्न स्थानों पर केंद्र सरकार की योजनाओं को समर्पित सेल्फी बूथ लगाए जाएंगे। जयपुर में रेलवे स्टेशन, नाहरगढ़ किला, सिटी पैलेस, जी पी ओ, आर्मी केंट और जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, एम्स जोधपुर एवं जोधपुर रेलवे स्टेशन पर ये सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं। इसी तरह कोटा और उदयपुर स्टेशन पर भी सेल्फी बूथ लगाए जा रहे हैं।

60 लाख का सोना जब्त

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने रविवार को दो हवाई यात्रियों से लगभग 60 लाख रुपए मूल्य का एक किलोग्राम सोना जब्त किया। टीम ने सिटी-साइड क्षेत्र में (सीमा शुल्क औपचारिकताओं के बाद) दो लोगों शेख खाजा रहमतुल्लाह और शेख जानी बाशा को पकड़ लिया। यात्री ओमान एयरवेज की उड़ान से रियाद से मस्कट होते हुए यहां पहुंचे थे। जांच करने पर ड्राई फ्रूट्स के पैकेट के भीतर छिपा हुआ लगभग 60 लाख रुपए का लगभग एक किलोग्राम सोना मिला। दोनों यात्रियों को उनके सामान के साथ आवश्यक आगे की कार्रवाई के लिए आरजीआईए सीमा शुल्क को सौंप दिया गया है।

10 अल्पसंख्यक छात्रावास को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 9 जिलों में 10 अल्पसंख्यक छात्रावासों के संचालन और नवीन पदों के सृजन तथा बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के बीकानेर, बूंदी, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, नागौर, सवाईमाधोपुर, सीकर एवं उदयपुर जिले में अल्पसंख्यक छात्रावास संचालित किए जाएंगे।

बीकानेर और अजमेर में बायोलॉजिकल पार्क

बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना की जाएगी। साथ ही जयपुर जंतुआलय को पक्षी विहार तथा बीकानेर जंतुआलय को पक्षी विहार एवं रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय जाग्रति मंच ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

अजमेर। सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय जाग्रति मंच की ओर से रविवार को आदर्श नगर सात पीपली स्थित मनुहार गार्डन में सावन महोत्सव 2023 धूमधाम से मनाया गया। इस मौक पर लहरिया ड्रेस कोड में महिलाओं ने शिरकत कर देर शाम तक चली विभिन्न मनोरंजक स्पर्धाओं में भाग लेकर आनंद उठाया। मेहंदी प्रतियोगिता में घर से ही मेहंदी रचाकर आने वाली महिलाओं में से निर्णायकों ने सर्वश्रेष्ठ का चुनाव किया। संस्था अध्यक्ष सुनीता चौहान ने बताया कि एकल व सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने 3 मिनट की समय सीमा में संगीत की धुन पर नृत्य की एक से बढकर एक प्रस्तुति दी। डीजे की धुन पर सभी महिलाओं ने डांस कर लुत्फ उठाया। सावन क्वीन की थीम सोलह श्रृंगार रखी गई थी। दुल्हन की तरह सज संवर कर आईं 20 से अधिक महिलाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। स्टेज पर केट वाक कर रहीं दुल्हनों का सभी ने तालियों की गडगडाहट कर उत्साहवर्धन किया। महोत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। सेल्फी पाइंट पर बेस्ट क्लीक करने की होड मची रही। सावन झूला आकर्षण का केन्द्र रहा। झूले में नन्हे राधा कृष्ण को भक्ति भाव से ओत प्रोत होकर झुलाया गया। सहभोज के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

महोत्सव में ममता चौहान, रामकन्या गहलोत, सुमन भाटी, मंजू अजमेरा, सुशीला चौहान, मधु चौहान, नंदा चौहान, मंजू बलाई, जयश्री शर्मा, सुनीता सैनी, नीतू गहलोत, रेखा गहलोत, राधा शर्मा, आशा सांखला, कविता सैनी, रेनू चौहान, अंजू गहलोत, बबिता टांक, प्रतिभा गहलोत, मधु सैनी, नंदा भाटी, दिशा प्रकाश किशनानी, दृष्टि राय, डा अर्चना, डा रितु शिल्पी, डा अल्का शर्मा समेत 150 से अधिक महिलाओं ने शिरकत की।

बंगाली हिन्दू धर्मशाला की कार्यकारिणी गठित

अजमेर। कचहरी रोड स्थित बंगाली हिन्दू धर्मशाला की साधारण सभा में आगामी पांच वर्षो के लिए कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हुए। कार्यकारीणी के अध्यक्ष देबाशीष विश्वास ने बताया कि उपाध्यक्ष माधव चटर्जी, महासचिव तरूण चटर्जी, सहायक सचिव अद्रिश बसु, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिकदार, सहायक कोषाध्यक्ष संदीप चटर्जी होंगे। कार्यकारिणी ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। बंगाली धर्माशाला में दुर्गा पूजा की तैयारियां भी जोर-शोर से आरम्भ हो चुकी है। बंगाल से आए कारीगरों द्वारा इको फ्रेंडली मूर्ति बनाने का शुभाम्भ कर दिया गया है।

प्रदेश की दुर्दशा के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार-दीयाकुमारी

अजमेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी अजमेर संभाग प्रभारी सांसद दीयाकुमारी ने प्रदेश की दुर्दशा के लिए कांग्रेस सरकार की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया है। अजमेर में संगठन सदस्यता अभियान सिलसिले में पहुंची दीयाकुमारी ने कहा कि राज्य में महिलाओं एवं बच्चियों की हालत सबसे ज्यादा खराब है, वे सुरक्षित नहीं है।

अंबानी परिवार की ओर से मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सहस्त्रधारा

अजमेर। सावन मास के सोमवार को पंचशील नगर बी ब्लाक स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में अंबानी परिवार की ओर से सहस्त्रधारा का आयोजन भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। गुजराती समाज में सावन मास खत्म होने के 15 दिन बाद सावन के आयोजन शुरू होने की परंपरा है। इस बार अधिकमास के चलते सावन के दो माह लगातार होने से अजमेर में निवासरत गुजराती परिवारों में भी धार्मिक आयोजन राजस्थानी परंपरा के अनुरूप संपन्न हो रहे हैं।

स्वास्तिक मोटर्स पेट्रोल पंप वाले राजेश अंबानी के परिवार ने हर साल की तरह इस बार भी मनकामेश्वर महादेव में सहस्त्रधारा का आयोजन कराया। पूर्वाहन 11 बजे विद्वान पंडितों ने विधिविधान से पूजा अर्चना व मंत्रोच्चार के बीच के बाद शिव जलाभिषेक आरंभ कराया। सहस्त्रधारा शाम करीब 5 बजे तक सपंन्न हुई। शाम पांच बजे शिव परिवार का श्रृंगार कर भव्य झांकी सजाई गई। महाआरती में बडी संख्या में गुजराती समाज, गुजराती स्कूल प्रबंधन तथा गणमान्यजनों ने शिरकत की। प्रसादी के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चौथी बार जीती एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 के सांस रोक देने वाले फाइनल में शनिवार को पिछड़कर वापसी करते हुए मलेशिया पर 4-3 की यादगार जीत दर्ज की। भारत ने नौंवे मिनट में जुगराज सिंह के गोल से खाता खोला, लेकिन अबू कमाल (14वां मिनट), राज़ी रहीम (18वां मिनट) और मोहम्मद अमीनुद्दीन (28वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाकर हाफ टाइम तक मलेशिया को 3-1 की बढ़त दिला दी। हरमनप्रीत सिंह (45वां मिनट) और गुरजंत सिंह (45वां मिनट) ने तीसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल जमाकर भारत की वापसी करवाई। अंततः, 56वें मिनट में आकाशदीप सिंह का गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी की सबसे सफल टीम भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता है, जबकि इससे पहले वह 2011, 2016 और 2018 में भी चैंपियन रह चुका है।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुरुआती मिनटों की खींचातानी के बाद पहला गोल भारत ने नौंवे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर किया। कार्ति सेल्वम द्वारा अर्जित किये गये पेनल्टी कॉर्नर का उपयोग करने के लिये हरमनप्रीत फील्ड पर नहीं थे इसलिये जुगराज की जादुई ड्रैगफ्लिक ने भारत का खाता खोला। अज़राई ने हालांकि पहला क्वार्टर खत्म होने से पहले अजुआन हसन की मदद से मलेशिया के लिये स्कोर बराबर कर दिया। मैच के 16वें मिनट में गुरजंत सिंह को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और मलेशिया ने भारतीय खेमे में 10 खिलाड़ियों का फायदा उठाकर पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। शेलो सिल्वेरियस पहली कोशिश में चूक गये लेकिन दूसरी कोशिश में उन्होंने रहीम को सटीक पास देकर मलेशिया को बढ़त की स्थिति में पहुंचाया। अमीनुद्दीन ने 28वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मलेशिया की बढ़त 3-1 कर दी। हाफ टाइम के बाद कुछेक मौकों पर भारतीय गोलकीपर की मुस्तैदी को आज़माया, हालांकि उसका मुख्य ध्यान भारत को अपने गोल तक पहुंचने से रोकने पर रहा। डिफेंस पर अत्यधिक केंद्रित रहना मलेशिया के लिये भारी पड़ा। भारत ने 44वें मिनट में गोल करने के दो मौके गंवाये, लेकिन अगले ही मिनट मलेशियाई सर्किल में सुखजीत सिंह के गिरने से भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया।

दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना भारत

हम पहुंचे 'चंदा मामा' के घर

श्री हरिकोटा। भारत ने विश्व गुरु बनने की दिशा में बुधवार को बड़ी छलांग लगाते हुए चांद के उस हिस्से पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा दिया जहां आज तक कोई भी देश नहीं पहुंच पाया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि आज सफलता की अमृत वर्षा हुई है। देश ने धरती पर सपना देखा और चांद पर साकार किया। पूरी दुनिया की नजर इस मिशन पर थी। चंद्रयान-3 की सफलता के लिए देश के कोने-कोने में सुबह से पूजा, प्रार्थना और इबादत की दौर शुरू हो गई थी। जैसे ही सुरक्षित लैंडिंग हुई कि देशभर में खुशियों की लहर दौड़ गई।

खगोलीय रहस्यों की परत-दर-परत खुलेगी

इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चांद की ऐसी सतह पर उतरा है जो मुश्किलों की जाल से घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती यहां का अंधेरा था। यहां पर लैंडर बिक्रम को उतारना काफी मुश्किल था क्योंकि चांद पर पृथ्वी की तरह वायुमंडल नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने मुश्किलों को 'राई' बनाकर पुरानी गलतियों से बड़ी सबक लेते हुए चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर 'प्रज्ञान' को चांद के उस आगोश में पहुंचाकर सांस ली, जहां से कई खगोलीय रहस्यों का परत-दर परत खुलेगा।

चांद के क्रस्ट और मैंटल के स्ट्रक्चर का करेगा अध्ययन

चंद्रयान-3 के रोवर में चंद्रमा की सतह से संबंधित डेटा प्रदान करने के लिए पेलोड के साथ कॉन्फ़िगर की गई मशीनें लगी हैं। यह चंद्रमा के वायुमंडल की मौलिक संरचना पर डेटा एकत्र करेगा और लैंडर को डेटा भेजेगा। लैंडर पर तीन पेलोड्स हैं। उनका काम चांद की प्लामा डेंसिटी, थर्मल प्रॉपर्टीज और लैंडिंग साइट के आसपास की सीस्मिसिटी मापना है ताकि चांद के क्रस्ट और मैंटल के स्ट्रक्चर का सही-सही पता लग सके। एक चांद की सतह पर प्लाज्मा (आयन्स और इलेक्ट्रॉन्स) के बारे में जानकारी हासिल करेगा। दूसरा चांद की सतह की तापीय गुणों के बारे में अध्ययन करेगा और तीसरा चांद की परत के बारे में जानकारी जुटाएगा। इसके अलावा चांद पर भूकंप कब और कैसे आता है इसका भी पता लगाया जाएगा। चांद का दक्षिणी ध्रुव अपनी सतह का सबसे ठंडा क्षेत्र है। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार चांद का दक्षिणी ध्रुव काफी रहस्यमयी है। दुनिया अब तक इससे अनजान है।

किशनगढ़ को राज्य की तीसरी वंदे भारत ट्रेन सुविधा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ के लोगों को राज्य की तीसरी वंदे भारत ट्रेन सुविधा मिल सकेगा। उत्तर पश्चिमी रेलवे के जयपुर मंडल के किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर पर 13 अगस्त से ट्रायल पर दौड़ने वाली उदयपुर-जयपुर वंदे भारत की सौगात में किशनगढ़ में ठहराव रखा गया है। किशनगढ़ स्टेशन पर उदयपुर से आते समय ट्रेन 12.33 पर पहुंच कर 12.35 पर रवाना होगी। जबकि वापसी में जयपुर से सायं 17.05 पहुंच कर 17.07 पर रवानगी लेगी। इस ट्रेन का लाभ सामान्य नागरिकों के अलावा मार्बल व्यवसायी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी का स्टाफ एवं छात्र बड़ी संख्या में उठा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि किशनगढ़ मूल के अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी की मांग पर अजमेर-दिल्ली कैंट संचालित हो रही है। संचालन के समय चौधरी ने इसे किशनगढ़ में ठहराव की मांग की थी। तब केवल जयपुर से बढ़ाकर इसे अजमेर तक किया गया था।

SHM
FOLLOW US
SHREE HARI MARBLE
SHRI HARI GRANI MARMO
A HOUSE OF QUALITY MARBLE,GRANITE & TILES

Ph.: 0141-2352789
Mob.: 9828060720
E-mail : advocatesunil32@yahoo.com
SUNIL KUMAR JAIN
Advocate
RAJASTHAN HIGH COURT
Resi.: P.No. 74, Nityanand Nagar-A Queen's Road Jaipur
Office : B-47, Shiv Hari Apartment S.S.B. Nagar, Opp. Metro Pillar-98, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Chamber : Chamber No.32 'B' Block,Rajasthan High Court, Jaipur

समाचार भेजनें और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें
mob +91-9887907277, 7737385114
Email ID sabgurunews@gmail.com
कार्यालय
अजमेर- 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर - D8, गोवेर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019 , राज.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड अजमेर से मुद्रित करवाकर कार्यालय – 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित। संपादक–विजय सिंह 9887907277